नोट्स

स्नातक खण्ड - III, भूगोल (प्रतिष्ठा)

पत्र - IV

Unit - I

Q. भूगोल में हम्बोल्ट के योगदान का वर्णन करें? Paper - V Group - A

1769 - 1859 A.D.

हम्बोल्ट का जन्म बर्लिन में तात्कालिक शाही परिवार में हुआ। बचपन से ही उसकी रुचि भ्रमण एवं विविध विषयों पर ज्ञानार्जन में रही। अठारह वर्ष तक उसका प्रारम्भिक शिक्षा घर पर ही हुआ। इनका बचपन माँ की देख रेख में बिता। उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी, फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय गये। अपनी पढ़ाई पुरी करने के बाद 1791 में उसकी सर्वप्रथम नियुक्ति खनिज विभाग में हुई। यहाँ अपने पद का लाभ उठाते हुए उसने दक्षिणी जर्मनी की विस्तृत यात्रा की। इस यात्रा काल में वह प्रसिद्ध भूगोल एवं ~~भूगर्भ~~ भू-विज्ञान वेत्ता गोथे व श्लूटर के भी सम्पर्क में आया। 1797 में अपनी माँ की मृत्यु के पश्चात उसने उपयुक्त राजकीय सेवा पद से त्याग दिया।

30 वर्षों तक जर्मनी से बाहर रहने के पश्चात रिटर ने विशेष प्रयास एवं जर्मनी के शासक के निमंत्रण पर 1827 में वह पुनः जर्मन लौटे। यहाँ उनकी नियुक्ति राजा के सलाहकार (आटेची) के रूप में हुई। उसका यह पद मंत्री स्तर का था। हम्बोल्ट ने अपने जीवन के अन्तिम 20 वर्ष यहीं बिताये। यहाँ वह रिटर के सम्पर्क में भी आए। दोनों विद्वानों के बिच निरंतर सम्पर्क रहने से भौगोलिक चिन्तन एवं दर्शन के विकास को महत्वपूर्ण दिशा मिली।

हम्बोल्ट को वर्तमान भूगोल (Modern Geography) का पर्वतक और संस्थापक माना जाता है। वह बहुमुखी प्रतिभा का धनी विद्वान था, जिसने भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, वनस्पति भूगोल, मानचित्रकला, शरीर रचना इत्यादि अनेक क्षेत्रों को अपने लेखों और ग्रन्थों में संग्रह किया।

भ्रमण :→ हम्बोल्ट ने बानप्लान्ट के साथ द० अमेरिका तथा अन्य देशों का पाँच वर्षों तक भ्रमण करते हुए 64000 K.m की यात्रा पुरी की इसमें द० अमेरिका के उत्तरी भाग, पूर्व से पश्चिम तट, अमेजन बेसिन और एण्डिज की चोटी तक गये। क्यूबा, मेक्सिको और मध्य अमेरिका भी गये उष्ण कटिबंधीय वनस्पति पर उनका लेख प्रकाशित हुआ। फ्रांस से लौटकर उन्होंने — "Society Geography की स्थापना की। वहां से नये दुनिया की अनुभव प्रकाशित किये, जो भूगोल, वनस्पति और मौसम विज्ञान की अमूल्य नीधि है। उन्होंने अमेरिका और अमेजन नदियों के प्रवाह क्षेत्र की खोज की। उसने वेलेन्सिया झील के सुखने के कारण निकटवर्ती क्षेत्रों में वनस्पति का नष्ट होना बताया।

हम्बोल्ट ने Climolometer से पृथ्वी के देशान्तर रेखाओं को दर्शाया। बैरोमीटर से उंचाई नापी। ~~रूस~~ आमेजन, ओरीनो का 200 से अधिक खगोलीय केन्द्र स्थापित किये गये। उनका मानचित्र बनाकर लोगों के आदत पर लेख लिखे। आर्थिक तथा राजनैतिक लेखों को इकट्ठा किया। फ्रांस ~~के~~ में रहने के समय उनका सम्बंध लाप्लास वार्नर आदि विद्वानों से सम्पर्क हुआ और उनका बौद्धिक विकास हुआ। 1829 ई० में रूसी सरकार के आग्रह पर यूराल के

Scanned with CamScanner

धात्विक क्षेत्र का दौरा किया और 1843 ई० में Asia Central नामक पुस्तक लिखी। रूस से लौटते समय वनिस के राजा के सलाह पर कार (अटेची) बने और वहीं पर Cosmos नामक पुस्तक लिखा और पाँच खण्डों में विभक्त किया

वैज्ञानिक के रूप में हम्बोल्ट की ख्याति भ्रमण कर्ता के रूप में हुई, क्योंकि उनकी सभी रचनाएं भ्रमण में लिखे गये हैं। भूगोल एवं इनसे सम्बंधित विषय पर उनकी निम्नलिखित अनेक रचनाएं हैं——

1. राइन लैण्ड के शाल्ट — (1789)
2. प्राकृतिक दिग्दर्शन — (1847)
3. Asia Central — (1829)
4. प्राकृतिक दिग्दर्शन — (1847)
5. रेखीय प्रदेश के अनुभविके (1815–1820)
6. उत्तरी अमेरिका के इल्कवेसज
7. मैक्सिको एवं क्यूबा के प्रादेशिक वर्णन
8. कासमस (Cosmos)

~~हम्बोल्ट~~ ने सात संकल्पनाओं को विश्व के सामने रखा, जिसका भूगोल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा। :—

(1) मानव विकास के रूप में :—

(2) भूगोल विश्व के स्थानीयविक वितरण का विज्ञान है :— भूगोल का मूल-भूत आधार क्षेत्रीय तथा स्थानीयविक वितरण की संकल्पना है। यही विज्ञान क्रमबद्ध अन्य विज्ञानों में भूगोल को स्वतंत्र स्थान मिलता है।

(3) सामान्य भूगोल ही भौतिक भूगोल है :— हम्बोल्ट ने समान भूगोल के स्थान पर भौतिक भूगोल का प्रयोग किया है।

(4) भूगोल सम्बंधों का भूगोल है :— भूगोल में जैव-अजैव मानव और प्रकृति के सम्बंधों का अन्वेषण करना भूगोल वेत्ता का कर्तव्य है।

(5) सांसारिक दृश्य घटनाओं का समन्वय :— उन्होंने दृश्य घटनाओं का विवेचन और अध्ययन द्वारा अनुसंधान को सबसे ऊंचा स्थान दिया।

(6) भूगोल में दृश्य घटनाओं का विश्व वेत्ता :— हम्बोल्ट ने कहा है कि अन्य क्रमबद्ध विज्ञानों में समरूपता होती है जबकि भूगोल में विषमता है।

(7) प्रकृति की एकता :— हम्बोल्ट ने कहा कि प्रकृति में एकता होती है लेकिन ~~विवि~~ विविधता में रहती है।

अन्त में कह सकते हैं कि यद्यपि हम्बोल्ट प्राध्यापक नहीं थे, लेकिन इनके विचार धारा उनकी रचनाओं में समान्य रूप से प्रकाशित होती है। उन्होंने भूगोल के विभिन्न पक्षों विभिन्न विज्ञान के गहराईयों में सोचते रहते थे। उनके चिन्तन प्रारम्भ बहुमुखी वास्तविक व्यवहारिक एवं विस्तृत आधार युक्त रहा।

Scanned with CamScanner